mercredi 7 mars 2012

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 5

पहले मैं तो छोड़ के देखूँ

चुन्नू को गुड़ खाने की बहुत बुरी आदत थी। सारा दिन बस उसको गुड़ चाहिए। परिणाम यह हुआ कि उसका फुंसी और फोड़ों से बुरा हाल हो गया। माँ बाप अलग परेशान क्योंकि वह किसी की सुनता नहीं था। बस गुड़ खाने से मतलब।

बहुत जतन किए, दवाई भी दी पर सब बेकार। दवाई का असर तो जब हो जब वो गुड़ खाना छोड़े। बस यही क्रम चलता रहा।

कुछ दिन बाद पता चला कि गाँव में एक बहुत सिद्ध साधू आया हुआ है जो सब मुरादें पूरी करता है। चुन्नू के पिता बनवारी लाल ने सोचा कि क्यों न साधू महाराज से बिनती करूँ, शायद कुछ काम बन जाए और यह गुड़ खाना छोड़ दे। यह सोच कर वह चुन्नू को साथ लेकर साधू के पास गया और सारी कहानी सुनाने के बाद बोला कि महाराज इसका कुछ करो। साधू ने पहले चुन्नू की ओर देखा फिर बनवारी की ओर देख कर कहा कि एक सप्ताह के बाद आना ।

एक सप्ताह के बाद बनवारी लाल चुन्नू को लेकर साधू को मिलने गया। साधू ने थोड़ी देर तक चुन्नू की ओर देखा और फिर आँखों में आँखें डाल कर कहा कि बेटा गुड़ खाना छोड़ दो, यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं है। इतना कह कर साधू ने दोनों बाप बेटे को घर जाने को कहा।

घर पहुँचते ही बनवारी लाल हैरान कि चुन्नू ने गुड़ नहीं माँगा। यही नहीं उसने तो कुछ दिन बाद गुड़ खाना बिल्कुल छोड़ दिया। धन्यवाद देने के लिए बनवारी लाल साधू के पास पहुँचा। धन्यवाद देने के बाद उस ने साधू के पैर छुए और पूछा कि महाराज जब आपके कहने मात्र पर चुन्नू ने गुड़ खाना छोड़ दिया तो आप ने मुझे एक सप्ताह बाद क्यों बुलाया।

साधू कहने लगे कि बेटा बनवारी लाल, जिस दिन तुम चुन्नू को लेकर आए थे उस दिन मैं ने भी गुड़ खाया हुआ था। उसको कुछ कहने से पहले मैं यह देखना चाहता था कि क्या मैं भी गुड़ खाना छोड़ सकता हूँ। उस एक सप्ताह में मैं ने गुड़ को हाथ तक नहीं लगाया था। यही कारण है कि मेरे कहने का चुन्नू पर फ़ौरन असर हो गया।

चुन्नू को कुछ शिक्षा देने से पहले मैं देखूँ कि यह मेरे लिए सम्भव है या नहीं तभी मैं उसको कुछ कह सकता हूँ। जो मैं खुद नहीं कर सकता उसे करने की दूसरे से कैसे कह सकता हूँ ?

Vocabulaire

गुड़-m mélasse	आदत-f habitude	परिणाम-m résultat	फुंसी-f furoncle	फोड़ा-m abcès
हाल-m sort	परेशान harcelé	मतलब-m sens, affaire	जतन-m soin, effort	बेकार inutile
दवाई-f médicament	असर-m effet	क्रम-m suite	सिद्ध-m réalisé	साधू-m renonçant
मुराद-f souhait, désir	बिनती-f prière	कहानी-f histoire	सप्ताह-m semaine	हैरान étonné, perplexe
धन्यवाद-m remerciement	पैर छूना faire ses respects	मात्र seulement	छोड़ना quitter	हाथ लगाना toucher
फ़ौरन immédiatement	शिक्षा-f enseignement	सम्भव possible		

Questions

Pourquoi Chunnu n'écoutait personne ?

Quel fut l'idée de Banwari Lal ?

Quelle était sa requête ?

Pourquoi le conseil du saint-homme a eu effet ?

Quel était la particularité du saint homme ?

Qu'est-ce qu'il espérait ?

Pourquoi le saint-homme lui a demandé de venir après une semaine ?

Y-a-t-il une morale à cette histoire ?